



Mr.



Ms.

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119001001

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
07/08/2025 :	जन्म तिथि	: 07/08/2025
गुरुवार :	दिन	: गुरुवार
घंटे 15:12:00 :	जन्म समय	: 15:12:00 घंटे
घटी 23:35:08 :	जन्म समय(घटी)	: 23:35:08 घटी
India :	देश	: India
Delhi :	स्थान	: Delhi
28:39:00 उत्तर :	अक्षांश	: 28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08 :	स्थानिक संस्कार	: -00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:45:56 :	सूर्योदय	: 05:45:56
19:07:16 :	सूर्यास्त	: 19:07:16
24:12:57 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 24:12:57
वृश्चिक :	लग्न	: वृश्चिक
मंगल :	लग्न लग्नाधिपति	: मंगल
धनु :	राशि	: धनु
गुरु :	राशि-स्वामी	: गुरु
उत्तराषाढा :	नक्षत्र	: उत्तराषाढा
सूर्य :	नक्षत्र स्वामी	: सूर्य
1 :	चरण	: 1
प्रीति :	योग	: प्रीति
गर :	करण	: गर
भे-भैरव :	जन्म नामाक्षर	: भे-भैरवी
सिंह :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: सिंह
क्षत्रिय :	वर्ण	: क्षत्रिय
मानव :	वश्य	: मानव
नकुल :	योनि	: नकुल
मनुष्य :	गण	: मनुष्य
अन्त्य :	नाड़ी	: अन्त्य
मूषक :	वर्ग	: मूषक

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
सूर्य 5वर्ष 8मा 17दि
सूर्य

07/08/2025

25/04/2031

सूर्य	12/08/2025
चन्द्र	11/02/2026
मंगल	18/06/2026
राहु	13/05/2027
गुरु	29/02/2028
शनि	10/02/2029
बुध	18/12/2029
केतु	25/04/2030
शुक्र	25/04/2031

अंश

22:32:58
20:56:15
27:18:13
06:03:06
10:51:09
18:51:03
14:11:45
07:11:36
24:29:31
24:29:31
06:52:39
07:40:08
08:04:04

राशि

वृश्चि
कर्क
धनु
कन्या
कर्क व
मिथु
मिथु
मीन व
कुंभ व
सिंह व
वृष
मीन व
मक व

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध व
गुरु
शुक्र
शनि व
राहु व
केतु व
हर्ष
नेप व
प्लूटो व

राशि

वृश्चि
कर्क
धनु
कन्या
कर्क
मिथु
मिथु
मीन
कुंभ
सिंह
वृष
मीन
मक

अंश

22:32:58
20:56:15
27:18:13
06:03:06
10:51:09
18:51:03
14:11:45
07:11:36
24:29:31
24:29:31
06:52:39
07:40:08
08:04:04

विंशोत्तरी
सूर्य 5वर्ष 8मा 17दि
सूर्य

07/08/2025

25/04/2031

सूर्य	12/08/2025
चन्द्र	11/02/2026
मंगल	18/06/2026
राहु	13/05/2027
गुरु	29/02/2028
शनि	10/02/2029
बुध	18/12/2029
केतु	25/04/2030
शुक्र	25/04/2031

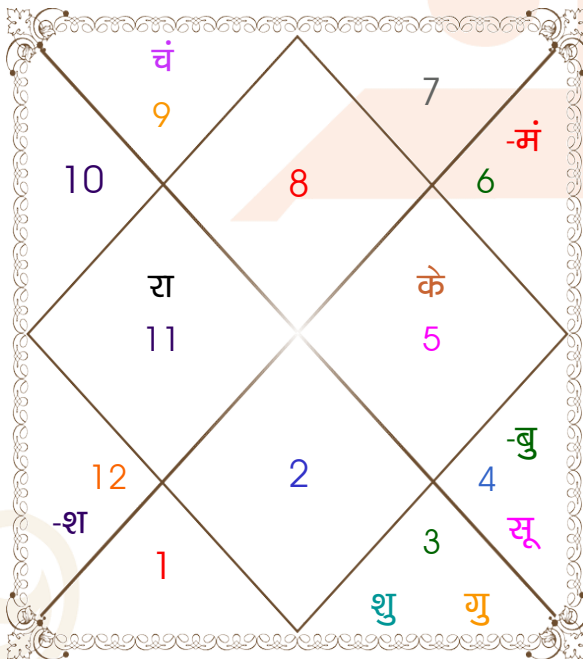
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

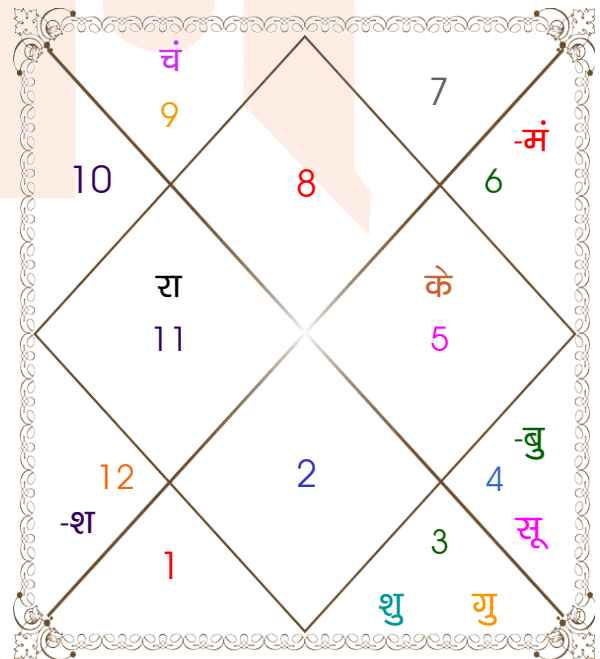
राहु : स्पष्ट

24:12:57 चित्रपक्षीय अयनांश 24:12:57

लग्न-चलित



लग्न-चलित



Astro pratibha shukla

Shankar Nagar

9893219009

अष्टकूट गुण सारिणी

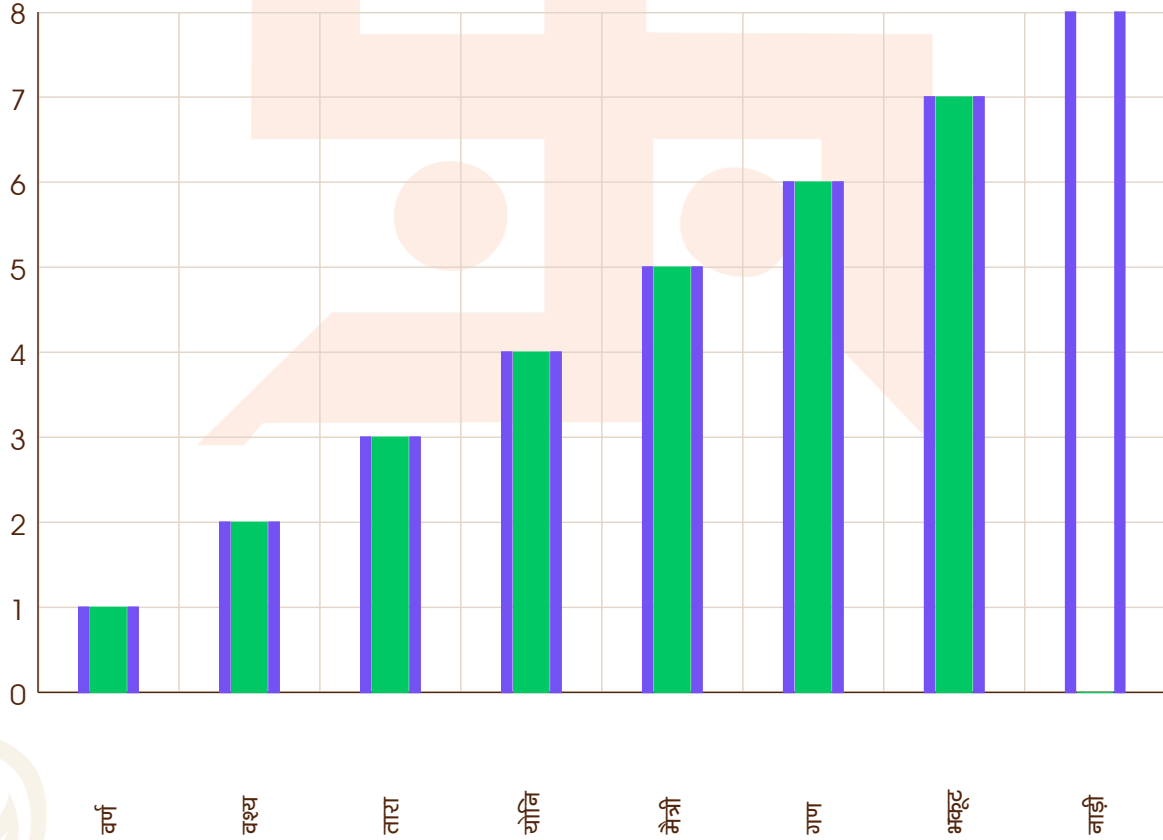
कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	नकुल	नकुल	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान

कुल :

36

28.00

कुल : 28 / 36



Astro pratibha shukla

Shankar Nagar

9893219009

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के एक ही नक्षत्र एवं एक ही चरण है।

Mr. का वर्ग मूषक है तथा Ms. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

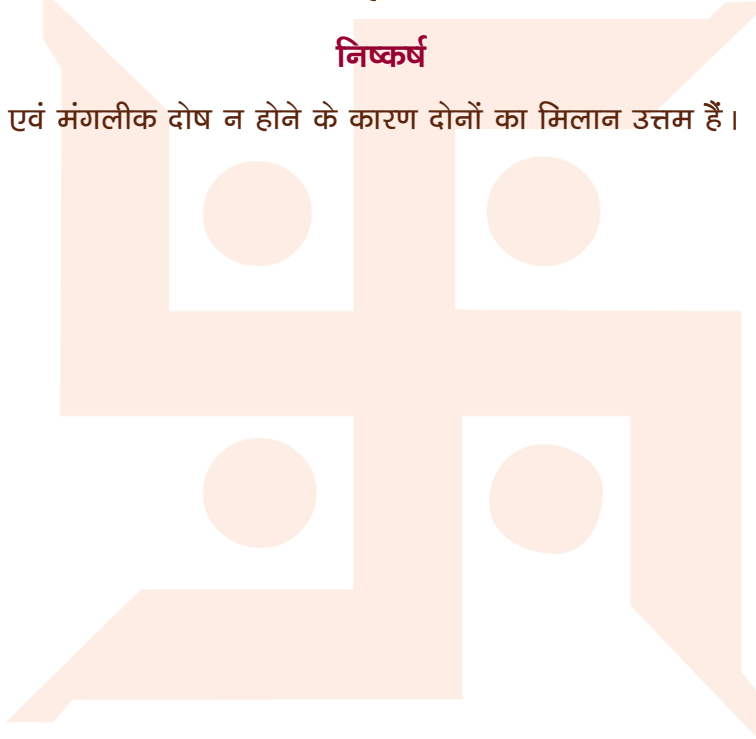
Mr. मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr. का वर्ण क्षत्रिय तथा Ms. का वर्ण भी क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों ही दम्पति अति ऊर्जावान, साहसी, उद्यमी होंगे साथ ही दोनों एक-दूसरे के साथ सद्भाव एवं प्रेम से जीवन बितायेंगे। इसके अतिरिक्त समय-समय पर एक-दूसरे की सहायता से सुखी एवं समृद्ध परिवार का निर्माण करने में योगदान देते रहेंगे।

वश्य

Mr. का वश्य चतुष्पद है एवं Ms. का वश्य भी चतुष्पद है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप Mr. एवं Ms. दोनों के स्वभाव, पसंद एक समान होंगे तथा आपसी तालमेल काफी अच्छा रहेगा, जिससे परिवार में सुख, शांति एवं समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता रहेगा। दोनों के बीच अत्यधिक प्रेम की भावना भी बनी रहेगी।

तारा

Mr. की तारा जन्म तथा Ms. की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

Mr. की योनि नकुल है तथा Ms. की योनि भी नकुल है। अर्थात् दोनों की योनि समान ही है। दोनों योनि के बीच परस्पर मित्रता का संबंध है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के बीच अगाध प्रेम होगा। दोनों हमेशा एक दूसरे को समय-समय पर अपना सहयोग देते रहेंगे जिससे इनका पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन अत्यंत सौहार्द एवं प्रेमपूर्वक बीतेगा। सोच एवं समझदारी में समानता होने के कारण परस्पर वैचारिक मतभेद नहीं रहेंगे। इस प्रकार आपसी विश्वास रहने के कारण आपका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। आप दोनों पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन में शांति का अनुभव करेंगे। मन में हर्षोल्लास की भावना बनी रहेगी। साथ ही परिवार में सौहार्दपूर्ण वातावरण रहेगा। धन का आगमन समय-समय पर होता रहेगा। जिसके कारण आप सुखी पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन व्यतीत करेंगे। दोनों आपसी समझबूझ के साथ जीवन में आने वाली किसी भी समस्या का समधान शीघ्र ही निकाल पाने में सक्षम होंगे। जिसके कारण इनका पारिवारिक जीवन अत्याधिक समृद्धिशाली रहेगा। इस प्रकार इनका वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन सुखी होगा एवं प्रगति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr. एवं Ms. दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Mr. एवं Ms. दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

Mr. का गण मनुष्य तथा Ms. का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात् दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

Mr. एवं Ms. दोनों की राशि एक समान ही है इसलिये यह अति उत्तम मिलान है। ऐसा मिलान Mr. एवं Ms. तथा परिवार के चतुर्दिक विकास के मार्ग को प्रशस्त करता है। इन्हें अनेक रूपों में ईश्वरीय कृपा जैसे - सौभाग्य, सम्पत्ति, समाज में मान-सम्मान तथा योग्य संतान आदि प्राप्त होगी।

नाड़ी

Mr. की नाड़ी अन्त्य है तथा Ms. की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात् यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mr. एवं Ms. की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वास की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr. और Ms. की जन्म राशि अग्नि तत्व युक्त धनु राशि है। अतः इसके प्रभाव से Mr. और Ms. के मध्य स्वभावगत समानताएं विद्यमान होंगी तथा परस्पर संबंधों में भी प्रगाढ़ता रहेगी जिससे वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

Mr. और Ms. की राशि का स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से परस्पर संबंधों में मित्रता का भाव रहेगा तथा सच्चे मित्र की तरह एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। साथ ही एक दूसरे के प्रति हार्दिक प्रेम, सहानुभूति तथा समर्पण का भाव विद्यमान रहेगा एवं सुख दुःख में एक दूसरे को पूर्ण सुख तथा सहयोग प्रदान करेंगे। ऐसा करने से Mr. और Ms. का वैवाहिक जीवन सुख एवं शांति पूर्ण व्यतीत होगा तथा मधुर स्मृतियों तथा क्षणों की हृदय से आनंद उठाएंगे।

Mr. और Ms. की राशियां परस्पर प्रथम प्रथम - भाव में पड़ती हैं शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके शुभ प्रभाव से Mr. और Ms. भाग्यशाली सिद्ध होंगे तथा जीवन में इच्छित सुखऐश्वर्य एवं संसाधनों से युक्त होकर उनका उपभोग करेंगे। उनकी परस्पर सामंजस्य की प्रवृत्ति भी होगी तथा एक दूसरे के अस्तित्व एवं स्वतंत्रता का हार्दिक सम्मान करेंगे जिससे Mr. और Ms. का दाम्पत्य जीवन अत्यंत ही शुभ रहेगा तथा शांति पूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

Mr. और Ms. दोनों का वश्य चतुष्पद है। अतः इनकी अभिरुचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक संबंधों में भी समता रहेगी फलतः आपका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा एवं काम संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रखने में समर्थ होंगे जिससे आंतरिक प्रसन्नता भी बनी रहेगी।

Mr. एवं Ms. दोनों का वर्ण क्षत्रिय है। अतः दोनों की कार्य क्षमता बराबर होगी तथा साहसिक एवं पराक्रमी कार्यों को करने में दोनों रुचिशील रहेंगे अतः कार्य क्षेत्र की स्थिति सुदृढ़ रहेगी।

धन

Mr. और Ms. का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रशस्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से Mr. और Ms. सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

Mr. को पैतृक सम्पत्ति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ

होंगे । इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे ।

स्वास्थ्य

Mr. तथा Ms. दोनों की ही अन्त्य नाड़ी है । अतः दोनों नाड़ी दोष से पीड़ित रहेंगे इसके प्रभाव से इनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक अस्वस्थता के कारण सांसारिक महत्व के कार्यों को करने में परेशानी की अनुभूति होगी । इससे Ms. को गले से संबधित कोई परेशानी हो सकती है तथा कफ या वात संबंधी कष्ट का भी सामना करना पड़ेगा । लेकिन मंगल का इन पर कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं रहेगा । अतः रोग की गंभीरता से बचाव रहेगा लेकिन समय समय पर न्यूनाधिक कष्ट की इन्हें अनुभूति होती रहेगी । इसके अतिरिक्त Ms. को यदा कदा यौन संबंधी गुप्त रोगों का भी सामना करना पड़ सकता है । अतः सुखी दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा जिससे इसकी यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए ।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr. और Ms. का मिलान उत्तम रहेगा । इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा । साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी । इसके अतिरिक्त Mr. और Ms. के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी ।

प्रसव के विषय में Ms. के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms. को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए । प्रसव काल में Ms. को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी । साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी ।

संतति पक्ष से Mr. और Ms. सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे । साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा । माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे । इस प्रकार Mr. और Ms. का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा ।

ससुराल-सुश्री

Ms. के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबंध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबंधों में अधिक मधुरता रहेगी । विवाह के बाद Ms. अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामंजस्यता के भाव का पालन करेंगी । उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा ।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृत्ति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबंध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Ms. पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Ms. अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबंधों में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

Mr. के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Mr. अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Mr. के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Mr. के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।